18.11.24

Tender Heart High School, Sector- 33-B, Chandigarh.

कक्षा- तीसरी
विषय- हिन्दी सुलेख शिक्षिका- श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : 'सरल हिन्दी सुलेख' भाग- तीन

प्यारे बच्चो!

आशा करती हूँ कि आप सभी अपनी-अपनी पुस्तक 'सरल हिन्दी सुलेख' भाग तीन में नियमानुसार अभ्यास कर रहे होंगे। आप सभी का इस कार्य को करना अति आवश्यक है। इस प्रकार से आप अपनी हिन्दी की लिखाई में सुधार ला सकते हैं। आप सभी का इस कार्य को रुचि से करना अनिवार्य है। अभ्यास करते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपके लिखे शब्द व अक्षर समान आकार में हों। इनकी दूरी भी निश्चित होनी चाहिए। आपके लिखे शब्द पढ़ने वाले को स्पष्ट समझ में आ जाएँ। निरंतर अभ्यास करते रहने से आपकी लिखाई में अवश्य सुधार आ सकता है। शब्दों व वाक्यों का अभ्यास बोल-बोल कर ही करें।

अध्यापिका द्वारा आपको 'सरल हिन्दी सुलेख' में अभ्यास करने के साथ-साथ कुछ शब्दों का सुन्दर लिखाई में अभ्यास करने के लिए दिया जा रहा है। इस सप्ताह आपको 'ट' वर्ण तथा इस वर्ण से जुड़े चार शब्दों का अभ्यास करने के लिए दिया जा रहा है। सभी छात्र गृहकार्य करने के साथ-साथ इस कार्य का भी अभ्यास करेंगे।

कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी सुलेख

शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
श्रीमती कल्पना शर्मा

ट

1. टमाटर

2. टोपी

3. टहनी

4. टोकरी

इस प्रकार निरन्तर अभ्यास द्वारा सभी छात्र अपनी हिन्दी की लिखाई में सुधार ला सकते हैं।

गृहकार्य

सभी छात्र पृष्ठ संख्या - 25 को सरल हिन्दी सुलेख की पुस्तक पर लिखने का अभ्यास करेंगे। सुलेख लिखते समय आप अध्यापिका द्वारा बताई बातों को अवश्य ध्यान में रखेंगे।

धन्यवाद।

आलस्य दरिद्रता का दूसरा नाम है।

आलस्य दरिद्रता का दूसरा नाम है।

चमड़ी जाये पर दमड़ी न जाये।

चमड़ी जाये पर दमड़ी न जाये।